॥ श्री ॥

उत्तरपुराण

UTTARAPURAANA

गुणभद्र · ९वीं शती · अभिलेख ७१/९०

श्री जिनसेन-3 → **गुणभद्र** → श्री लोकसेनाचार्य

संक्षिप्त परिचय

आचार्य गुणभद्र कृत — गुरु जिनसेन के अपूर्ण आदिपुराण की पूर्ति; अजितनाथ से महावीर पर्यन्त त्रेसठ शलाका-पुरुषों के चरित।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

अभिलेख-विवरण

उत्तरपुराण — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ७१ पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता गुणभद्र; रचना-काल ९वीं शती (लगभग)। आचार्य-समयानुक्रमणिका (क्रमांक १६४) के अनुसार इनका समय ८९८ है तथा गुरु श्री जिनसेन-३। वहाँ इनकी विशेषता/प्रधान कृति के रूप में "उत्तरपुराण" उल्लिखित है। इसी लेखनी से महापुराण (उत्तरपुराण), आदिपुराण (संस्कृत पूर्ति) भी इस सूची में सम्मिलित हैं। समकालीन ग्रन्थों में आदिपुराण, धवला, जयधवला, महाधवला, वर्धमानचरित्र, शांतिनाथपुराण परिगणित हैं।

इसी लेखनी से

महापुराण (उत्तरपुराण) · आदिपुराण (संस्कृत पूर्ति)

समकालीन ग्रन्थ

आदिपुराण · धवला · जयधवला · महाधवला · वर्धमानचरित्र · शांतिनाथपुराण

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗ · जैनकोश ↗ · Archive.org ↗

बाह्य ग्रन्थालयों में खोज — नई टैब में खुलेगी

प्रमाण: ९०-ग्रन्थ सूची-पोस्टर, पंक्ति ७१ — मूल छायाचित्र

← वरांगचरित

चामुण्डरायपुराण →